

ding, Mühe; Kasteiung, Frucht der religiösen Bemühung: न मृषा आतं पद्वन्ति देवाः RV. 4, 179, 3. न मृते आतस्य सव्याय देवाः 4, 33, 11. TS. 6, 5, 2. KĀTJ. Çr. 4, 7, 18. Ait. Br. 7, 24. — Vgl. अश्रान्त.

— caus. आमयति und अमयति müde machen, ermüden: आमयामि (आवयामि die neuere Ausg.) किमात्मानमाह्वे शकमूनना HARIV. 8137. अमयमन्बलानि KĀM. NĪTIS. 13, 13. अमयति शरीरम् Spr. (II) 6330. so v. a. शम् caus. bezwingen, besiegen: तपश्चरणयुक्तस्य आमयमाणेन्द्रियस्य ते R. 7, 2, 26. — आमयति v. l. für आमयति (आमयतो) Dhātup. 35, 40.

— आ स. आश्रम.

— उप sich ausruhen Kauç. 41. 48. 139.

— नि स. निश्रम.

— परि sich sehr abmühen: अश्रम्य absol. R. 7, 23, 51. partic. अश्रान्त sehr ermüdet, erschöpft M. 4, 99. MBH. 1, 5908. 6035. 3, 2537. 10002. R. 4, 9, 58 (57 Gorr.). 2, 54, 34. 72, 9. 4, 9, 94. 35, 9. KĀM. NĪTIS. 13, 76. MĀLATIM. 154, 10. KATHĀS. 12, 109. 123, 151. PAÑKAT. 137, 24. HIT. 85, 4. परिश्रान्तेन्द्रियात्मन् Bhāg. P. 1, 6, 15. परिश्रान्तो ऽस्मि लोकस्य गुर्वी धर्मधुरं वहन् R. 2, 2, 7. वृत्तेचनान् ÇĀK. 16, 20. अनेन कर्मणा 13, 4. तपसा MBH. 5, 5434. दीर्घवर्तम् Spr. (II) 2820. रासं PAÑKAT. 3, 12, 2. कूलपातपरिश्रान्तं प्रमुसमिव कुञ्जरम् R. 2, 103, 4 (111, 11 Gorr.). रणसंरम्भं RĀGA-TAN. 5, 334. क्षुत्पिपासां MBH. 1, 7626. 3, 2336. 4, 2139. R. 3, 71, 3. Bhāg. P. 4, 26, 11. शोकं R. Gorr. 2, 84, 18. भिन्नावलिं überdrüssig geworden M. 6, 34. सुं MBH. 3, 2535. अं R. Gorr. 2, 73, 14. यो यज्ञेदपरिश्रान्तः Spr. (II) 3634. — Vgl. परिश्रम, परिश्राम.

— संपरि, partic. अश्रान्त überaus ermüdet, erschöpft R. 2, 93, 5.

— वि 1) sich ausruhen: व्यश्राम्यत् u. s. w. R. 1, 62, 1. 2. Spr. 3022. ÇĀK. 72, 10. VIKR. 40, 2. KATHĀS. 11, 56. 18, 192. 43, 60. 53, 101. 63, 12. 64, 119. 123, 210. PAÑKAT. 134, 18. विश्राम्यतीव मे रुदयम् 202, 18. विश्राम u. s. w. MBH. 1, 5214. RAGH. 4, 74. KATHĀS. 12, 135. 13, 43. 18, 37. 40, 235. 65, 22. 110, 134. विश्रमेत्यत्र वै श्रान्तः MBH. 3, 13397. विश्रमामः 9, 3457. व्यश्रमत् R. Gorr. 1, 64, 1. विश्रमतः (partic.) 2. विश्रम 7, 26, 26. अविश्रमद्भिः MĀK. P. 133, 17. विश्रमधम् MBH. 1, 5897. absol. विश्रम्य ÇAT. Br. 12, 2, 2. 4. 5. Spr. 2882. (II) 4325. 3150. KATHĀS. 19, 103. 26, 131. विश्राम्य (in beiden Ausg.) MBH. 18, 771. impers. विश्राम्यताम् Spr. (II) 3963 (v. l. विश्रां). KATHĀS. 10, 164. 33, 123. Bhāg. P. 10, 88, 29. विश्राम्यताम् MBH. 3, 2881. R. Gorr. 1, 63, 9. Spr. (II) 379. KATHĀS. 52, 192. व्यश्रमि und व्यश्रामि Vop. 11, 7. 24, 6. विश्रान्त ausge- ruht M. 7, 151. MBH. 1, 6. 2, 2028. 3, 2721. 2764. 16814. 3, 6039. HARIV. 9700. R. 2, 83, 28 (90, 36 Gorr.). MEGH. 27. ÇĀK. 22, 17. VIKR. 18, 113. DAÇAK. 39, 6. Bhāg. P. 1, 13, 6. HIT. 77, 1. 99, 5. नभोऽध्वलेद् erholt von KATHĀS. 25, 207. st. des verbum finitum ITIB. bei SĀJ. zu RV. 1, 125, 1. KUMĀRAS. 6, 8. sich ausruhend PAÑKAT. 222, 1. तालीवनच्छायासुखं RĀGA-TAN. 3, 30. VARĀH. BRH. S. 56, 5. — 2) eine Thätigkeit einstellen, aufhören, nachlassen: सापि प्रतिदिनं कुटुम्बेन सह कलरुं कुर्वाणा न विश्रामा PAÑKAT. 220, 24. fg. विश्राम्यतु वज्रम् KUMĀRAS. 3, 9. विश्रान्तचारणानि (चारणानि die ältere Ausg. 1, 17) UTTARAH. 3, 1. दिगन्तविश्रान्तरथ RAGH. 3, 1. विश्रान्तेषु पथिषु Spr. (II) 937, v. l. अकथ (मुख) RAGH. 8, 54. अविश्रान्तदुःख ÇĀK. 89, 10. पुष्योद्गम VIKR. 130. विलास KATHĀS. 40, 175. वैर 220. कर्णात्तविश्रान्ते विशाले तस्य लोचने bei den Ohren aufhörend VII. Theil.

so v. a. sich bis dahin erstreckend RAGH. 4, 13. RĀGA-TAN. 4, 20. अश्रम विश्रान्तकर्णयुगलम् so v. a. bis zu den Ohren reichend KAURAP. 40. (बलम्) परिश्रान्तं हि युध्येत विश्रान्तं मुविधानतः so v. a. aus der guten Ordnung gekommen KĀM. NĪTIS. 13, 76. विवेकविश्रान्तम् (v. l. अश्रम्यम्) अभिहितम् so v. a. des Urtheils baar MĀLAV. 4, 1. — 3) beruhen auf (loc.): प्रत्याशा पुनरस्य चातकशिषोस्त्वय्येव विश्राम्यति (v. l. अंते) Spr. 5337. Ruhe finden so v. a. Jmd sein ganzes Vertrauen schenken, sich ganz verlassen auf (loc.) तथा मया विधातव्यं विश्राम्यति यथा कपिः R. 5, 7, 4. वरमेकः (पुत्रः) कुलालम्बी यत्र विश्राम्यते (विश्राम्यते v. l.) कुलम् Spr. (II) 1746. विश्राम्यन्ति महतामानो यत्र कल्पतराविव so v. a. sich behaglich fühlen 6200. विश्रम R. 4, 62, 23. 5, 7, 48. मायि विश्रम्य BHAT. 8, 9. मयि विश्रान्तः R. 5, 7, 1. 13. — Vgl. विश्रम fg. und विश्रान्ति fg. — caus. 1) ruhen lassen: mit kurzem Wurzelvocal ÇĀK. GRH. 4, 6. RAGH. 1, 54. KATHĀS. 118, 117. 120, 94. 133. DAÇAK. 137, 19. Bhāg. P. 3, 4, 10. 10, 18, 14. mit langem MBH. 3, 11004. 3, 177. RAGH. ed. Calc. 1, 55. KATHĀS. 52, 107. 123, 151. — 2) Etwas zur Ruhe bringen, einem Dinge ein Ende machen: रथाद्वतम् । रथो विश्रामयन्नाज्ञा कृत्तशून्येषु मौलिषु RAGH. 4, 85. विश्रामितश्रमशीकर Glt. 12, 22. — desid. s. विश्राम्यिषु.

— परिवि, partic. अश्रान्त vollkommen ausgeruht HARIV. 8685.

— सम्, partic. संश्रान्त ermüdet, erschöpft MBH. 1, 1017. 6, 3274. Bhāg. P. 10, 32, 10. अं unermüdetlich SUG. 2, 244, 3.

2. अम् indecl. ग्राणा स्वरदि zu P. 1, 1, 37.

अम् (von 1. अम्; m. am Ende eines adj. comp. f. आ. 1) Ermüdung, Müdigkeit, Erschöpfung II. 319. खेदो रत्यधगत्यादेः श्रान्तनिद्रादिकृच्छ्रमः SĀJ. D. 173. अमस्य दायं वि भेदह्येभ्यः RV. 10, 114, 10. AV. 4, 11, 10. 8, 8, 9. ÇAT. Br. 6, 3, 3. 7. 14, 4, 3. 31. MBH. 1, 5892. R. 1, 62, 3. 2, 51, 13. R. Gorr. 1, 25, 12. ÇĀK. 7. VARĀH. BRH. S. 104, 10. RĀGA-TAN. 1, 371. 2, 154. Bhāg. P. 1, 2, 8. 4, 20, 4. तस्य यत्नः श्रम एव केवलम् 5, 19, 14. 9, 21, 13. श्रमार्त M. 8, 67. अकार्षित MBH. 1, 6024. 3, 2373. संतापकार्षित 1, 1128. मोहित 3, 2961. अपीडित 16749. अखिन्न R. 2, 28, 11. अल्लान्त ÇĀK. 32, 11. श्रमायुक्त = श्रमयुक्त R. Gorr. 2, 11, 11. न ते श्रमो भवेत् MBH. 3, 16775. श्रमे नावाप्नुयात् R. 2, 24, 21. श्रममध्यगात् Bhāg. P. 4, 26, 10. शान्तो मे भवत्या दर्शने (so ist wohl zu lesen) श्रमः RĀGA-TAN. 3, 420. (तम्) वकार विगतश्रमम् KATHĀS. 18, 114. वाचं विपुलश्रमम् Bhāg. P. 9, 21, 11. मद्कृतश्रमा R. 5, 13, 48. प्रनागरकृतं Spr. (II) 673. सुरतव्यापारज्ञातं 1992. अश्रमं R. 2, 72, 5. अश्रमपरिगत MEGH. 17. अश्रमविनयन 53. विनीताश्रमं RAGH. 4, 67. अविज्ञातपथं KATHĀS. 42, 103. मृगयाश्रमसुत 29, 136. रतिश्रमनुद् KIR. 5, 28. गतायुधं Bhāg. P. 1, 9, 31. व्यर्थस्तस्य तपः श्रमः PAÑKAT. 1, 2, 58. fg. विनयते स्म तद्योधा मधुभिर्विज्ञपश्रमम् RAGH. 4, 65. अश्रमेण 2, 67. श्रतिश्रमापनयन Spr. (II) 1493. Bhāg. P. 3, 31, 15. — 2) körperliche oder geistige Anstrengung, — Arbeit, Mühe, Bemühung mit heiligem Werke oder Studium H. 788 (Waffenübung). AV. 4, 33, 2. 6, 133, 3. 10, 7, 36. ब्रह्मचारी श्रमेण लोकास्तपसा पिपति 11, 5, 4. 7, 17. 12, 5, 1. ÇAT. Br. 1, 6, 2, 3. 6, 1, 2, 1. 3, 9. 11, 5, 2, 2. TBR. 2, 4, 4, 11. Ait. Br. 2, 13, 7, 15. श्रमेण यदुपार्जितम् M. 9, 208. कृतः कथंविम्वृता श्रमेण R. 3, 64, 21. ज्ञानाति हि पुनः सम्पक्कविरेव कवेः श्रमम् Spr. (II) 1219. शक्तिः श्रमेण समं समेत्य 5816. Verz. d. Oxf. H. 182, a, 20. सुचिरं Bhāg. P. 3, 13, 4. 13. अलं महीपाल तव श्रमेण RAGH. 2, 34. किं श्रमेण ते MBH.